**धारा 121 द. प्र. सं. के अधीन आवेदन पत्र**

न्यायालय सत्र न्यायाधीश

दिल्ली दाण्डिक अपील सं. ............... ....... सन् ............... .......

क ख ............... ............... ............... ............... ............... ............... अपीलार्थी/आवेदक

बनाम

एन. सी. टी. राज्य दिल्ली ............ ............... ............... ...............

थाना ............... ...............

अपील अन्तर्गत धारा 373 द.प्र.स.

सपठित धारा, 121 द. प्र. स.

तलाशी की स्वीकृति को इन्कार करने वाले दाण्डिक मामला सं. ............... ................ ................. में ................ ................ ................ एस. ई. एम. द्वारा पारित किये गये आदेश दिनांकित .............. ................ ................ के विरुद्ध धारा 373 द. प्र. सं. के अधीन दाण्डिक अपील।

अति सादर पूर्वक प्रदर्शित करता है -

1. यह कि अपीलार्थी ने द. प्र. सं. की धारा 107 के अधीन कार्यवाही का सामना किया और विद्वान एस. ई. एम. ने ............ ................ ................ महीने के लिए आबद्ध किया गया रहने के लिए एक आदेश पारित करने के लिए प्रसन्न किया गया, किसी प्रकार प्रतिभू को स्वीकृत करने से इंकार कर दिया गया।
2. न स्वीकृत किये जाने द्वारा व्यथित अपीलार्थी ने निम्नलिखित आधारो पर आदरणीय न्यायालय के समक्ष आवेदनपत्र दाखिल किया।
3. यह कि प्रतिभू बन्धपत्र को स्वीकृत करने से इंकार करने का आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गयी, धारा 121 द. प्र. सं. के आज्ञापक उपबन्ध के साथ अनुरूपता में एकदम नहीं था।
4. यह कि प्रतिभू बने रहने के लिए बिलकुल एवम् सक्षम है क्योंकि वह ............. ............. ............. की पत्नी है, इसलिए कोई विधिमान्य कारण है।
5. यह कि निचली न्यायालय क्रमशः धारा 121 (2) (3) के उपबन्ध का पूर्णतः अनुपालन नहीं किया।
6. यह कि अस्वीकृति एक पुलिस रिपोर्ट पर आधारित थी जो विरोधी पक्षकार के साथ मनोकूलता में है।

प्रार्थना

यह अति विनम्रता पूर्वक प्रार्थना की जाती है कि अपील अनुज्ञात कर दी जाए और एक आदेश कथित आदेश को अपास्त करने वाली प्रतिभू को नामंजूर करने के विरुद्ध पारित कर दिया जाए।

अपीलार्थी के लिए अधिवक्ता